अच्छी कर प्रणाली (A Good Taxation System):

डाल्टन का सुझाव है कि "एक अच्छी कर प्रणाली को कर राजस्व के प्राप्त के लिए कुछ पर्याप्त करों पर भरोसा करना चाहिए"। कर प्रणाली में प्रशासनिक दक्षता को बढ़ावा देने के लिए इसकी आवश्यकता है।

8.0.एक अच्छी कर प्रणाली की विशेषताएं:

इस प्रकार हैं:

(1) अधिकतम सामाजिक लाभ के मूल उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए एक अच्छी कर प्रणाली ठीक-ठीक होनी चाहिए ।

(2) एक अच्छी कर प्रणाली में केवल न्यूनतम समुच्चय शामिल होना चाहिये।

(3) कर के बोझ का वितरण समान होना चाहिए। सभी को उसका उचित हिस्सा देने के लिए बनाया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जाना चाहिए कि समानता उद्देश्य उत्पादक दक्षता में बाधा नहीं डालेगा ।

(4) कर संरचना में स्थिरीकरण और विकास उद्देश्यों के लिए राजकोषीय नीति के उपयोग की सुविधा होनी चाहिए। स्थिरता सुनिश्चित करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विकसित और विकासशील दोनों देशों के कर ढांचे में अंतर्निहित लचीलापन होना चाहिए ।

(5) कर प्रणाली में सादगी, लचीलापन और विविधता का गुण होना चाहिए। विभिन्न कर उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए इसकी आवश्यकता है।

(6) एक अच्छी कर संरचना में एक संतुलित कर प्रणाली होनी चाहिए। लोगों के विभिन्न वर्ग को शामिल करने के लिए कई प्रकार के कर होने चाहिए। अलग-अलग आर्थिक गतिविधियों में लगी पूरी आबादी के लिए टैक्स कैनवास पर्याप्त होना चाहिए।

8.2. **आदर्श कर प्रणाली के दृष्टिकोण (Approaches of Sound Taxation System**):

एक आदर्श कर प्रणाली वह है जो राजकोषीय आधार में विश्वास एवम समानता को मजबूत करती है। इस सम्बन्ध मे कुछ प्रमुख दृष्टिकोण इस प्रकार हैं:

1. आदर्श कर प्रणाली का आधुनिक दृष्टिकोण:

आमतौर पर यह सहमति है कि एक आदर्श कर प्रणाली प्रगति के सिद्धांत पर आधारित होनी चाहिए। जहाँ तक संभव हो आनुपातिक और प्रतिगामी कराधान से बचना चाहिए। श्रीमती उर्सुला हिक्स ने एक अच्छी कर प्रणाली की तीन बुनियादी विशेषताओं पर जोर दिया:

(1) कराधान का उपयोग सार्वजनिक सेवाओं के वित्तपोषण के लिए किया जाना चाहिए।

(२) आम जनता को उनके भुगतान की क्षमता के अनुसार कर देना चाहिए जो बदले में उनकी आय और परिवार की गणना पर निर्भर करेगा।

3) कर इस मायने में सार्वभौमिक होना चाहिए कि एक ही वित्तीय स्थिति में व्यक्तियों को किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना उसी तरह से व्यवहार किया जाना चाहिए।

4) एक आदर्श कर प्रणाली को करदाताओं के हित की सुरक्षा करनी चाहिए।

5) कर प्रणाली को इतना विकसित किया जाना चाहिए कि जलन और आक्रोश के स्रोत कम से कम हो सकें।

6)कर दाता का मनोबल बनाए रखने और कुशल प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए, करदाताओं की शिकायतों का उचित निपटान किसी भी कर प्रणाली के साथ एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

2. मुसग्रेव का दृष्टिकोण :

प्रोफेसर आर.ए. मुसगरेव और पीबी मसग्रेव ने समानता नियमों और आदर्श कर प्रणाली पर अपनी चर्चा में एक अच्छी कर संरचना के लिए अनुवर्ती आवश्यकताओं को आगे रखा और कहा कि-

(1) कर के बोझ का वितरण समान होना चाहिए। सभी को उसका उचित हिस्सा देने के लिए बनाया जाना चाहिए। इसका मतलब है कि कर के बोझ के वितरण में क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर समानता का वास्तविककरण होना चाहिए।

(2) कर उस स्तर का होना चाहिए ताकि कुशल बाजारों में आर्थिक निर्णयों के साथ हस्तक्षेप को कम किया जा सके और अतिरिक्त बोझ को कम से कम किया जाना चाहिए।

(3) एक ही समय में, निजी क्षेत्र में अक्षमताओं को ठीक करने के लिए करों का उपयोग किया जा सकता है, बशर्ते कि वे इसके लिए उपयुक्त साधन हों ।

(4) कर संरचना में स्थिरीकरण और विकास उद्देश्यों के लिये राजकोषीय नीति के उपयोग की सुविधा होनी चाहिए।

(5) कर प्रणाली को कुशल और गैर-मनमाना प्रशासन की अनुमति देनी चाहिए। इसके अलावा, यह करदाता के लिए समझ मे आना चाहिए।

(6) प्रशासनिक और अनुपालन लागत उतनी ही कम होनी चाहिए जितनी अन्य उद्देश्यों के साथ संगत है। मुसाग्रेव के अनुसार, इन और अन्य आवश्यकताओं का उपयोग कर संरचना की गुणवत्ता को स्पष्ट करने के लिए मापदंड के रूप में किया जा सकता है।